vinetur

फ्रांस ने 2026 की फसल के लिए शैम्पेन उत्पादकों की खरीद सीमा 15% की

यह बदलाव छोटी फसल के दौरान कर-कागजी कार्रवाई को आसान बनाता है। RM और NM बोतल-लेबल नामांकन अपरिवर्तित हैं।

शुक्रवार, 4 सितंबर 2026



फ्रांस में शैम्पेन उत्पादक 2026 अभियान के लिए अपनी मौजूदा कर-पंजीकरण व्यवस्था के तहत अधिक अंगूर, मस्ट और वाइन खरीद सकेंगे, क्योंकि सरकार ने सीमा 5% से बढ़ाकर 15% कर दी है, लेकिन यह बदलाव बोतलों पर दिखने वाले लेबल नियमों को नहीं बदलता।

यह उपाय 7 अगस्त की एक आदेश से तय किया गया और 12 अगस्त को Journal officiel में प्रकाशित हुआ। Comité Champagne के अनुरोध पर 17 जुलाई के बाद यह 13 अगस्त को प्रभावी हुआ। यह आदेश शैम्पेन क्षेत्र में 2026 अभियान पर लागू होता है और अंगूर, मस्ट और वाइन की खरीद के राजकोषीय उपचार को नियंत्रित करने वाले 2017 के पाठ के कुछ हिस्सों में संशोधन करता है।

इसका व्यावहारिक असर प्रशासनिक और कर-संबंधी है। 2017 के ढांचे के तहत, जो उत्पादक पहले की 5% सीमा से अधिक खरीदता था, उसे व्यापारिक गतिविधि के लिए दूसरी उत्पाद शुल्क संख्या के साथ अलग रिकॉर्ड-रखरखाव और अलग भंडारण भी करना पड़ता था। इस वर्ष सीमा को 15% तक बढ़ाकर सरकार कुछ ऐसे उत्पादकों को, जिनकी फसल कम है, उस गतिविधि को उत्पाद शुल्क के दूसरे रिकॉर्ड सेट में विभाजित किए बिना अधिक फल या वाइन खरीदने की अनुमति देती है।

यह राहत उन उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण है जिनके पास आपूर्ति कम है और जिन्हें अब भी ऑर्डर पूरे करने हैं। इसका असर शैम्पेन के व्यापक पेय कारोबार में लागत और सोर्सिंग के फैसलों पर भी पड़ सकता है, क्योंकि यह बदलता है कि उत्पादक तंग फसल के दौरान बोतल पर उपभोक्ताओं को बताई जाने वाली जानकारी बदले बिना फल कैसे खरीद सकते हैं और इन्वेंटरी कैसे संभाल सकते हैं।

यह आदेश जो नहीं करता, वह शैम्पेन लेबलों पर इस्तेमाल होने वाले उत्पादक कोडों में संशोधन है। शैम्पेन में, बोतल के निचले हिस्से के पास छोटे अक्षर उत्पादक की कानूनी श्रेणी की पहचान करते हैं। सबसे प्रसिद्ध RM हैं, जो récoltant-manipulant के लिए है, और NM, जो négociant-manipulant के लिए है। फ्रांसीसी उपभोक्ता प्राधिकरण DGCCRF के मार्गदर्शन और Comité Champagne द्वारा प्रकाशित जानकारी के अनुसार, RM उस वाइन को दर्शाता है जो उत्पादक की अपनी फसल से बनाई गई हो, जबकि NM उस हाउस को दर्शाता है जो फल खरीदता है।

नया आदेश उन परिभाषाओं में संशोधन नहीं करता। यह उपज, उत्पत्ति या विधि को नियंत्रित करने वाले appellation नियमों को भी नहीं बदलता। प्रकाशित उपाय के बाद हुए विवाद में यह अंतर केंद्रीय है, क्योंकि कुछ शुरुआती व्याख्याओं ने ऊंची खरीद सीमा को इस तरह देखा मानो वह यह भी बढ़ा देती हो कि लेबल पर RM श्रेणी में रहते हुए कोई उत्पादक क्या खरीद सकता है।

आधिकारिक पाठ दूसरी दिशा की ओर संकेत करते हैं। 2017 के आदेश के लिए लागू करने वाला निर्देश कहता है कि यह राजकोषीय व्यवस्था लेबलिंग नियमों के किसी अपवाद का निर्माण नहीं करती। दूसरे शब्दों में, 15% की सीमा इस बात से जुड़ी है कि कर और उत्पाद शुल्क के उद्देश्य से खरीदों को कैसे दर्ज किया जा सकता है। यह यह तय नहीं करती कि बोतल पर कौन-से अक्षर हो सकते हैं।

इसका मतलब है कि यह उपाय उत्पादकों के लिए संचालन को आसान बना सकता है, लेकिन खरीदारों के लिए नई जानकारी नहीं बनाता। उपभोक्ता लेबल पर यह नहीं देखेंगे कि किसी उत्पादक ने, या तो कोई विकल्प इस्तेमाल नहीं किया, या उपज कम होने वाले वर्ष में उसका कुछ हिस्सा इस्तेमाल किया। इस आदेश से जुड़ी कोई नई खुलासा-शर्त नहीं है। जो खरीदार ग्रोअर शैम्पेन और हाउस शैम्पेन के बीच अंतर करना चाहते हैं, उनके लिए RM और NM का अर्थ वही रहता है।

समय-निर्धारण से समझ आता है कि सरकार ने यह कदम क्यों उठाया। शैम्पेन 2026 की छोटी फसल का सामना कर रहा है, और ऊंची सीमा उत्पादकों को अपनी खुद की दाखबागानों से बाहर से आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिक जगह देती है, जबकि वे एक ही उत्पाद शुल्क ढांचे के भीतर रहते हैं। ऐसे क्षेत्र में जहाँ अंगूर की कीमतें ऊंची हैं, यह कुछ एस्टेट्स को ग्राहकों की सेवा जारी रखने में मदद कर सकता है, हालांकि इससे यह सवाल भी उठता है कि इस उपाय का उपयोग कौन कर सकता है।

यह मुद्दा इसलिए और संवेदनशील हो गया है क्योंकि 2026 का आदेश कोई अलग-थलग घटना नहीं है। 2020 की फसल, 2021 और फिर 2025 पर भी 15% की सीमा लागू की गई थी। इस तरह 2017 का ढांचा लागू होने के बाद से 2026 इस तंत्र का चौथा उपयोग है। जिसे हर बार एक असाधारण प्रतिक्रिया कहा गया, वह अब आपूर्ति पर दबाव वाले वर्षों में कुछ नियमितता के साथ दिखाई देता है।

शैम्पेन के भीतर बहस कर प्रशासन से आगे बढ़ चुकी है। मार्च में Vignerons Indépendants de Champagne ने कहा कि

उत्पादकों को 15% तक खरीदने की अनुमति देना उन एस्टेट्स के लिए पूरा समाधान नहीं है जो अपनी वाइन खुद बोतलबंद कर बेचते हैं, क्योंकि खरीदा गया शैम्पेन फल महंगा है। समूह ने Besoin Individuel Commercial, या BIC, का प्रस्ताव रखा, जो पांच साल का परीक्षण होगा और जिसके तहत अपनी पूरी फसल को तैयार बोतलों के रूप में बेचने वाले उत्पादक पिछले वर्ष की बिक्री के आधार पर, 15,500 किलो प्रति हेक्टेयर तक, अंगूर चुन सकेंगे।

इस प्रस्ताव का शैम्पेन व्यापार के अन्य हिस्सों से विरोध हुआ। Syndicat Général des Vignerons के प्रमुख Maxime Toubart ने कहा कि यह विचार मौजूदा उत्पादन नियमों के अनुकूल नहीं है, जो सभी उत्पादकों के लिए एक ही उपज और इस सिद्धांत पर आधारित हैं कि सामूहिक हित व्यक्तिगत हित से पहले आता है। Union des Maisons de Champagne का नेतृत्व करने वाले David Chatillon ने कहा कि यह अवधारणा appellation की भावना के विपरीत दिखती है, हालांकि उन्होंने प्रस्ताव पर पूरी जानकारी आने तक राय सुरक्षित रखी।

इस बहस के संदर्भ में देखें तो 15% की खरीद सीमा एक समझौते की तरह काम करती है। यह उत्पादकों को बाजार तक वाइन पहुंचाने का एक और तरीका देती है, बिना उन्हें अपने खुद के दाखबागानों से पड़ोसी उत्पादकों को जितनी कटाई की अनुमति है, उससे अधिक उपज लेने दिए। कागज़ पर, यह क्षेत्र की सामूहिक उपज प्रणाली को बरकरार रखता है और कठिन वर्ष में कुछ लचीलापन भी देता है।

लेकिन लाभ असमान है। यह नियम सभी पात्र उत्पादकों के लिए खुला है, फिर भी इसका उपयोग अतिरिक्त शैम्पेन अंगूर या मस्ट खरीदने के लिए पैसे होने पर निर्भर करता है। मजबूत वित्तीय स्थिति वाले उत्पादक नई सीमा का लाभ उठा सकते हैं, जबकि कमजोर एस्टेट्स को अब भी संघर्ष करना पड़ सकता है। बड़े हाउस पर इसका असर अपेक्षाकृत कम सीधे तौर पर पड़ता है, क्योंकि फल खरीदना पहले से ही négociant मॉडल का केंद्रीय हिस्सा है।

Comité Champagne के उद्योग आंकड़े इस असंतुलन को दिखाने में मदद करते हैं। इस क्षेत्र में 410 हाउस और 16,460 उत्पादक हैं। ऊंची सीमा मुख्य रूप से दूसरे समूह के लिए है, खासकर उनके लिए जो अपनी वाइन खुद बोतलबंद कर बाजार में लाते हैं और जिन्हें अब कम फसल का सामना करना पड़ रहा है। उनके लिए यह उपाय कागजी कार्रवाई और भंडारण की जटिलता को कम कर सकता है, उस समय जब उपलब्ध हर किलो मायने रख सकता है।

उपभोक्ताओं के लिए, इसका तत्काल असर नीति-विवाद से कम तीखा है। बोतल पर मौजूद दो-अक्षरी कोड पहले की तरह ही अर्थ रखते रहेंगे। RM अब भी उत्पादक की अपनी फसल से बनी वाइन की ओर संकेत करता है। NM अब भी ऐसे हाउस की पहचान करता है जो फल खरीदता है। नया आदेश 2026 अभियान में कुछ खरीदों के पीछे कर और संचालन ढांचे को बदलता है, लेकिन लेबल की भाषा को जस का तस छोड़ देता है।